

I 5798

महाराष्ट्र

ASHA ARCHIVES

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्री

महाराष्ट्र

47-

2645 I

ASHA ARJUNES

॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥

47.

नमः शिवाय

॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥

॥ नमः ॥

॥ नमः ॥

॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥

नमः श्रीवक्रसम्यक्नाथ ॥ उं आहं ॥ श्रीमन्नवज्रसमन्तगुर्ववन्ननकमनायसम्यग्
नावतासनं कनायनमाः ॥ वन्द्ये कवादि समगर्भसं गात्रयं जटिसयं ॥ सतगुर्वज्र
सादनमसार्यज्ञानसंभवे ॥ श्रीमन्नवज्रजकायकाकिन्नवक्रवमिनि ॥ यके हा
नगिकायायज्ञाभायजगमानमः ॥ यावकावज्रजकिन्नचिन्नसंकल्पवधना
॥ ताकाकल्पप्रवृत्त्यनगावमिस्थानमः सदा ॥ सटित्याकाधनसन्धगात्तवय
गुवाणीकासनमद्ययंज्ञानंदकानंदरुसूनं ॥ वक्रात्रमपगतवक्रं ॥ क
कात्रनक्रविष्किर्गं ॥ सर्वसत्त्वधननंदगुः ॥ वक्रवर्द्धद्विरुजसम्वनमा

स्नानं कृत्वा यमवा नमस्कृत्य भगवन् ॥ दक्षिणहस्तं श्याः च नमस्कृत्य मनुनी
 वामहस्तं श्याः काननचक्रमनुनी ॥ उदः नमस्त्रिस्तुताहं वाचट्टहं हं
 हाट्टहं हं ॥ उदं हां थो हां मो हां हं हं हं हं हं ॥ गगा संसाधिष्ठानं
 ॥ उं जीवज्ज हं हं नमस्कृत्य हं हं हं अकिमिजाससम्बसं स्वाहा ॥ उं हं
 तुनाहं हं हं हं उं हं तुनाहं सर्वविद्यानस्तानय हं हं हं ॥ ह्यस्वम
 तुनय ॥ धिष्ठान ॥ उं अकावमूख सर्वधर्मीनां मां दनयन्नत्वा

ऐतथा क विविमाद

॥ उं श्याः हं स्वाहा ॥ वस्थाधिष्ठान ॥ उं ह्यपमिष्टिमावज्ज स्वाहा ॥ म
 रुसाधन ॥

व	ग	व	त	ह	सि
वैश	अष्ट	अव	असा	संसि	माद्य
वैशा	आषा	रात्र	कार्ति	पोष	कानु

ॐ नमो श्रीवक्रसत्ताय ॥ अथ कृ भवन्धनयुजना
थं त्यादि ॥ सप्ताचक विधिः ॥ जापांथाय नयं कृ भ
सयनं ऊठासकनं स्वठासं सिधुमं कृ भ ॥
क सप्तापा नयं मगं थापिनं भानि थाप नयं ॥ ७ वा
ययुचमलुलं सिधुनयं पञ्चगव्यं च्छायं मलुलं

धिलं विसमाधिं पिनायपूजा कृ भ सयनं मग
सिधुमं ऊठासकनं थापिनं पूजा दठापंजा ॥ ८ लि
मन्त्रालसायं सक्तिकसनयं गुलं मलुलं दनकं
मगपूजा ॥ सिध्वाधिवासनं निनाऊं नाचा मग
रु वऊनं कथुं कपालं नखलं चियकं मकुं उं शरुं

॥ कुरु भलं त्वं न मालकृयक ॥ पञ्चगव्यं विष्णु सवा
दा वीथयकं धनं लि मिऊ न न ल उरु द न क क वि
ध कलि न क न क वा क थ ॥ ३ ॥ सर्वक भान न न व
ध य र किं सा हा ॥ च सा पा न सि न रा य क सि ध म
न स चा द सि ध क्का य क स लि वा क ॥ ध नं लि ध

या ल य्या च क वा क ॥ ३ ॥ सर्वक भान न न व ध य र
की सा हा ॥ पा न का उ न हि न क क मा लि स र क
उ र हि न क ल य्या उ र हा द न क क क वि क स
पा पा स या ल स सा क य्या य य न व न मि सा या न
क स क न क न ॥ ध नं लि पा न या ग वि य स ख न

विमक, थकालिनकिनं सप्यारुलिलनविय, ॐ
लिमचायाउसवनसमिलनविमक, मिजनया
नमधिकसि, लउकागक, मिमायाग, नमकल,
लउकागक, यथममधिकसि, सलानयालखनक
खल १ आगमदउ, खल १ दिगुख १ गदछाख १ क

लसग १ उरुख १ थकालिख १ नकिं नाकनकिख
२॥ मासववख २ लकिख १ नमकलसचीनछ
स्यांथथंछायक, यलसाखमिजनयागलउका
गक, नमकनसिधम, मिमायागलउका, यक,
धनचाकपूजाछम, थकालिमउल, थिल, कि

न न सगा छन आसिवा न विष सखन छायक द
छि ना रुलि मचाया द र क्र गि म धिका का स्यात
प न खया चि न द क ना छाय छि य द क ना सिध न नि
न क दि गु लि स क च छाय क ॐ लि मचा क स क न
सिध म जान क ग द म द र न व ना न न छाय स प्या

ह लि ली रु न किला सग का स्या कल ख छाय माल थ
निक भव धन विधि स मा फ ॥ ॐ ॥

॥ सधसधम्वक्रमप्रा॥ क्रासुपि
 चोक्कः कभः व्याहृयनः पूः वज्रगाय
 दः वलः हाकः पः पवः काउः उः वि
 भवजः सुः सूर्यः नेः धजः वाः खज
 ॐः कृशः बजावलिहाकः चतुक्रने
 सः अः वज्रः नेः स्वीभावः वायूः ताव
 ॐः पवस्वीः धवतापमि॥ पूः सा
 क्राः दः क्रासः पः काउः उः अमडा
 काउगजः पूः काभाकवशः पीतः
 पवदअममिषाः (लतः अंकसः नीव
 दीदः पीतः दः सीखः (लतः खकः नीः
 पवदअममसः (लतः पीतः विकाम
 निधजः नकाः पः कभः पीतः पयद
 पमननुसाः (लतः नत्वकवाः पीतः
 मिवः नकार्मः नीनः उः उहास्वीनव
 कभः पीतः पवमः नत्वकवाः अस्थ
 यस्वीकवानकः कनसः अः पूजा
 लनः पीतः नेः धमददपीतः द्याः
 वादअमः पीतः ॐः हिविगतः

इअमसः अकृषः पासः दयगानघी॥
 पयनक्रागुः लावकवः नसमिका॥
 कर्मसिः हिमिमगवः पूनः कावमाः क
 नसः कृशः धजः यमावतिः बजावतिः अत
 दिगवातः पूः वज्रः दजमदेदः उः क्रिमति
 नः सः नाजानः नेः खजः वाः धजः ॐः वि
 लनः कावलिः पुर्व॥



अ

प

ॐ

२॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो रत्न त्रयाय ॥
ॐ नमो रत्न

ASMA ARCHIVES
I 5495
Rajendra Prasad

ॐ नमो रत्न त्रयाय ॥

तिसिचिकं न्य, कोकक्रिय न्य, या न, मतवा कहवा, वा को वा रुट, गि
चिवा नि, स्वह, गावा, नित्थक, ना दां, कि, सि, झाय, व, ग, त, थ, त्रि, स, ना
दामदय, क, मा, न, झाया, मि, सिचिकं, रु, ध, दाय, के, डा, न्यं, सि, सि, झा
य, न, रु, क, नि, ना, डा, रु, मि, रु, मि, रु, य, या, के, रु, य, धं, का, रु, ट, गि, त्रि, नि, ना
रु, य, डा, न्यं, त्रि, रु, रु, ग, मि, ना, रु, य, डा, न्यं, त्रि, ध, क, ना, रु, य, डा, न्यं, त्रि, त्रि
पा, क, रु, वा, नि, ना, रु, य, नि, ध, नि, दा, य, का, ध, रु, वा, ना, ग, य, रु, ना, रु, रु, ॥ ४ ॥

[illegible][illegible]